राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रमानुसार

आर पी यूनीफाइड

जैविक खेती

ORGANIC FARMING

डॉ. नीरजा श्रीवास्तव • डॉ. मुकेश दीक्षित • डॉ. दीप्ति संकत

प्रथम वर्ष : व्यावसायिक

राम प्रसाद एण्ड संस

प्रकाशक

राम प्रसाद एण्ड संस

बाल विहार, हमीदिया रोड, भोपाल-1

फोन : 0755-2533389, 2744389

e-mail : rpsbhopal@gmail.com

पंजी. कार्या. : ई. 6/10 अरेरा कालोनी, भोपाल

Neither this book nor any part may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, microfilming and recording or by any information storage and retrival system without permission in writing from the publisher. Breach of this condition is liable for legal action.

Note : Due care and diligence has been taken while editing and printing the book, neither the author nor the publisher of the book hold any responsibility for any mistake that may have inadvertently crept in.

ISBN : 978-93-85589-97-3

© सुरक्षित

मूल्य : एक सौ रुपये मात्र (100.00)

मुद्रक : शब्द ऑफसेट प्रा. लि., भोपाल, मो. : 9893400201

भाग अ – परिचय

पाठ्यक्रम : प्रमाण-पत्र	वर्ष : 2021	सत्र : 2021-2022

1.	पाठ्यक्रम का कोड :	V1-HOR-ORGT
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक :	जैविक खेती
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार :	व्यावसायिक
4.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी विषय में 12 वीं कक्षा पास होना चाहिए।
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद छात्र निम्न कर सकने में सक्षम होगा- • संरक्षित खेती के लिए मीडिया तैयार करना। • सिंचाई और फर्टीगेशन, ग्रीन हाउस संचालन, संरक्षित संरचना की देखभाल और रखरखाव। • संरक्षित खेती में विशेष बागवानी प्रक्रियाओं को समझाना। • कीट-नाशकजीवों और बीमारियों की पहचान और नियंत्रण फसल और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं को समझाना।
6.	अपेक्षित रोजगार करियर के अवसर	सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर एवं स्वरोजगार
7.	क्रेडिट मान	4

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्किल (प्रति सप्ताह घंटों में):

व्याख्यान - 1 घंटे / प्रैक्टिकल अवधि-1 प्रायोगिक घंटे

इकाई	विषय	कुल व्याख्यान
I	परिचय और सिद्धांत, जैविक खेत का विकास, मिट्टी को जैविक मिट्टी की खेती और जुताई में बदलना, अच्छी बढ़ती परिस्थितियों का निर्माण, मिट्टी का संघनन, मिट्टी की खेती के प्रकार।	5
II	फसल योजना और प्रबंधन, फसल चक्र, अंतरफसल, कवर फसलें, फसल-पशु संघ मल्चिंगः परिभाषा, उपयोग, मल्च सामग्री का चयन, मल्चिंग सामग्री का स्रोत, मल्च का अनुप्रयोग।	8
III	जैविक रूप से खेत का प्रबंधन करें, लाइव बाड़ लगाना, जल और पोषक ततव प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, कीट और रोग प्रबंधन। पौध प्रसार, बीज मूल्यांकन के लिए मानदंड, लक्षण वर्णन और गुणन, पारंपरिक किस्मों का महत्व, बीज संरक्षण।	10
IV	जैविक प्रबंधन के अन्य रूप, बायोडायनामिक कृषि, ऋषि कृषि, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य कृषि, नाटुको खेती, होमा खेती।	7